एम.एच.डी.-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोटः कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रथम प्रश्न अनिवार्य हैं। शेष में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजियेः 2×10=20

(क) मेरे और तुम्हारे बीच

एक रेतीला दूह है,

जो किसी अंधड का इंतजार करने से पहले

किसी भी वक्त फट सकता है

जिसके गर्भ से निकलेंगे

घृणा में लिपटे कुटिल शब्द

जिन्हें जलना होगा

दहकती भट्टी में

रोटी की महक में बदलने के लिए।

(ख) यदि वेद-विद्या पढ़ने की करो धृष्टता,

तो काट दी जाए तुम्हारी जिहवा,

यदि यज्ञ करने का करो दुस्साहस,

तो छीन ली जाए तुम्हारी धन सम्पत्ति

या, कत्ल कर दिया जाए तुम्हें किसी स्थान पर।

तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती?

(ग) आधी रात का समय रहा होगा। मेहतरों के टोले में आग की लपटें देखी गईं, जो लपलपाती हुई ऊँची होने लगी। थीं। शराब में धुत्त किसी को होश न था। जब होश आया तो वे सब कुछ गंवा चुके थे। किसी के चार सूअर थे, तो चारों ही झुलस गए थे। बच्चों तक को आग ने माफ न किया था। कितनी ही औरतों के गोरे शरीर जलकर बदरंग हो गए थे। बस्ती में कोई घर ऐसा न था जिसमें कोई न मरा हो। बस्ती जैसे किसी आग की घाटी में बदल गयी थी। आग की चिंगारी के साथ-साथ कोलाहल भी इधर-उधर बिखर गया था। लेकिन उस कोलाहल का कोई अर्थ न था क्योंकि कोलाहल करने वाला समाज अर्थहीन था। जमीन पर रेंग रहे किसी बेजान-से कीड़ों की तरह। धीरे-धीरे कोलाहल शान्त हो गया। और अब रह गया है केवल हड्डियों को चीर देने वाला सन्नाटा।

(घ) "साहेब, अब इस बस्ती में नहीं रहा जाता। पानी लाने के लिए सबको दूर-दूर जाना पड़ता है। एक कुँआ सरकार ने बहुत पहले बनवाया था, कैसे तो अन्दर से ईंट गहरा गई कि धीरे-धीरे पूरा पानी कीचड़ हो गया। ई चापाकल भी टूटा पड़ा है, कहीं कोई सुनवाई नहीं, सरकारी दफ्तर में अरजी देते-देते गोड़ टूट गए। आप तो दयावान हैं, कुछ पानी का इन्तज़ाम हो जाता तो बस्ती के लोग असीस देते।" औरतों के साथ कुछ फटेहाल बच्चे भी जमा हो गए थे।

"अच्छा हम देखते हैं, क्या कर सकते हैं, एक दरख्वास्त लेकर मिल लेना। अभी जाओ अपना काम करो।" विधायक जी ने कहा।

2. 'लटकी हुई शर्त' कहानी का मूल्यांकन कीजिये। 10

3. हिन्दी दलित कहानी के विकास को रेखांकित कीजिये। 10

4. 'आमने-सामने' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये। 10

5. हीराडोम की कविता का विश्लेषण कीजिये। 10

6. हिन्दी दलित आत्मकथन के क्षेत्र में 'जूठन' के महत्त्व को रेखांकित कीजिये। 10

7. दलित आत्मकथनों की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 10

—x—